Daily Gospel Reflections in Hindi

27 August 2019

योहन 4 : 27 - 38

I have food which you do not know

कल के सुसमाचार पाठ में हम ने प्रभु को स्वर्ग राज्य का वर्णन बीज से करते हुए सुना। आज प्रभु पुनः स्वर्ग राज्य को खेत और फसल से तुलना दिखाई देते हैं। प्रभु ने प्रेरितों से कहा कि तुम जो भोजन कर रहे हो उस के लिए तुम ने परिश्रम नहीं किया लेकिन किसी और के परिश्रम का फल तुम खा रहे हो। मतलब साफ है कि अब समय आ गया है कि तुम भी बीज बोना प्रारंभ करो। ईश्वर के राज्य के लिए खेत बहुत विस्तृत है। यहा कार्य करने के लिए बहुत से मजदूर की आवश्यकता है। ऐंसे मजदूर जो स्वयं मेहनत कर के फसल उगाऐं ओर उसे प्रभु के बखार में जमा करें। हम अपने को किस श्रेणी के मजदूर में गिनेंगे वे जो स्वयं की मेहनत का फल का भोजन करते अथवा किसी और के मेहनत का फल खा रहें हैं।

संत पौलुस कहते हैं कि जब मैं ईश्वर के सामने प्रस्तुत होऊँगा तब मेरे प्रसन्नत का विशय और कुछ नही बल्कि आप –जिन्हें उन्होंने सुसमाचार सुनाया वे– होंगे। हमारे अपने सत्कायों के द्वारा हम पुरुस्कार दावा नहीं कर सकते क्योंकि वह हमारी जिम्मेदारी है। हमारा पुरुस्कार इस बात पर निर्भर करेंगा कि हम ने कितनी आत्माओं को स्वर्ग का मार्ग दिखाया और कितने वहाँ पहुँचाने में सफल होते हैं।

Rev. Fr. Anil Francis

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019